

---

# Tripurasundari Pancharatnastotram

त्रिपुरसुन्दरी पञ्चरत्नस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Tripurasundari Pancharatnastotram

File name : tripurasundariPancharatnastotram.itx

Category : devii, dashamahAvidyA, devI, pancharatna

Location : doc\_devii

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : January 18, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 18, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Tripurasundari Pancharatnastotram

---

### त्रिपुरसुन्दरी पञ्चरत्नस्तोत्रम्

---



नीलालकां शशिमुष्णीं नवपल्लवोष्ठीं  
याम्येयपुष्पसुष्पमोज्ज्वलदिव्यनासाम् ।  
पद्मेक्षणां मुकुरसुन्दरगण्डभागां  
त्वां साम्प्रतं त्रिपुरसुन्दरि! देवि! वन्दे ॥ १ ॥

श्रीकुन्दकुण्डलशिलोज्ज्वलदन्तवृन्दां  
मन्दस्मितधृतितिराङ्कितयारुवाणीम् ।  
नानामण्डिस्थगितलारसुयारुकाण्डां  
त्वां साम्प्रतं त्रिपुरसुन्दरि! देवि! वन्दे ॥ २ ॥

पीनस्तनीं घनभुञ्जं विपुलाञ्जलस्तां  
भृङ्गावलीङ्कितसुशोभितरोमराङ्गिम् ।  
मत्तेभकुम्भकुचभारसुनम्रमद्ग्यां  
त्वां साम्प्रतं त्रिपुरसुन्दरि! देवि! वन्दे ॥ ३ ॥

रम्भोज्ज्वलोरुयुगलां मृगराजपत्रा-  
मिन्द्रादितेवमकुटोज्ज्वलपादपद्माम् ।  
डेमाम्भरां करधृताञ्जितभङ्गावलीं  
त्वां साम्प्रतं त्रिपुरसुन्दरि! देवि! वन्दे ॥ ४ ॥


मत्तेभवक्त्रजननीं मृडदेलयुक्तां  
शैलाग्रमद्ध्यनिलयां वरसुन्दराङ्गीम् ।  
कोटीश्वराभ्यर्द्धितसंस्थितपादपद्मां  
त्वां साम्प्रतं त्रिपुरसुन्दरि! देवि! वन्दे ॥ ५ ॥


बाले! त्वत्पाद्युगलं ध्यात्वा संप्रति निर्मितम् ।  
नवीनं पञ्चरत्नं य धार्यतां यरराद्रये ॥ ६ ॥

एति श्रीत्रिपुरसुन्दरीपञ्चरत्नस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Tripurasundari Pancharatnastotram*  
pdf was typeset on January 18, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

